जनसंदेश टाइम्स

लखनऊ, सोमवार, 17 फरवरी, 2014

महिलाओं व बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आइआइएसआर)में चल रहे तीन दिवसीय राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव के दूसरे दिन आयोजित विविध प्रतियोगिताओं में बच्चों और महिलाओं ने अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। मुख्य आकर्षण रंगोली और गन्ना चूसने की प्रतियोगिता रही।

संस्थान के मीडिया प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए के शाह ने बताया कि शर्करा फसलों के थीम पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें तकरीबन 25-30 प्रतिभागी महिलाओं ने हिस्सा लिया । हर एक ने अपने रंगोली में खूबसूरती का समावेश कर उसे जीवंत बना दिया। गन्ना चूसने की प्रतियोगिता में 50 बच्चों व बड़ों ने गन्ना रस का आनन्द लेने के साथ अव्वल आने में अपने दांतों को खूब दबाया। स्वास्थ के लिए दौड़ प्रतियोगिता में लगभग 125 बच्चों तथा विद्यार्थियों ने भाग लिया । विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। घूमने आये लोगों ने घोड़ा गाड़ी (बग्घी), बैलगाड़ी व ऊँट सवारी का खूब आनन्द लिया।

महोत्सव

फसलों की थीम पर रंगोली का जीवंत चित्रण, गन्ना चूसने में भी लोगों ने खूब उठाया लुत्फ

इस अवसर पर संस्थान का स्थापना दिवस भी मनाया गया । इस मौके पर गुड़ से बने विभिन्न मूल्यवर्धक व स्वास्थवर्धक खाद्य उत्पादों पर प्रदर्शनी आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी का खास आकर्षण गुड़ से बना केक का लोकार्पण रहा जिसके स्वाद का आनन्द अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग ले रहे देशी और विदेशी मेहमानों ने लिया। सबने इस अनूठे केक के स्वाद और गुणवत्ता की सराहना की। संस्थान में गुड़ इकाई के प्रभारी डॉ. एसआई अनवर और उनके सहयोगी डॉ. दिलीप कुमार ने विदेशी वैज्ञानिकों को संस्थान द्वारा विकसित गुड़ आधारित उत्पादों एवं प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। स्थापना दिवस पर 400 किसानों ने भ्रमण किया।

आइआइएसआर में चल रहे राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव के दूसरे दिन संस्थान में ही बने केक को काटते विदेशी मेहमानों के साथ आइआइएसआर के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन और अन्य वैज्ञानिक

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, सोमवार, 17 फरवरी, 2014 (5)

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में कृभको स्टॉल का उद्घाटन

कृभको की कृषि सेवाएं सराहनीय: डा. एसके दत्ता

लखनऊ (सं.)। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में 'राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव' में आयोजित कृषि प्रदर्शनी में कृभकों स्टॉल का उद्घाटन भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के उपमहानिदेशक डॉ० एसके दत्ता ने फीता काट कर किया। कृभको स्टॉल में डीडीजी एवं निदेशक आईआईएसआर डॉ० सोलोमन का स्वागत कृभको के प्रबन्धक विपणन डॉ० अशोक परिहार ने बुके भेंट करके किया। इस अन्तर्राष्ट्रीय मेलों में आठ देशों से आये विभिन्न डेलीगेट एवं शर्करा वैज्ञानिकों के साथ प्रिंसिपल सांईटिस्ट आईआईएसआर डॉ० एसएन सिंह ने कृभको स्टॉल का निरीक्षण किया और कृभको की विभिन्न कृषि सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

डॉ० परिहार ने इण्डियन काउंसिल ऑफएग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट के डीडीजी डॉ० एसके दत्ता को उ०प्र० में कृभको की आठ बीज इकाईयों, ३६ कृषक भारतीय सेवा केन्द्रों, कृभको जैव उर्वरक संयंत्र एवं कृभको के तीनों यूरिया संयंत्रों-हजीरा (सूरत), केएसएफएल (शाहजहांपुर) और ओमान संयंत्र के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उर्वरक वितरण में कृभको पिछले एक दशक से देश और प्रदेश दोनों में ही दूसरे स्थान पर है और यह एक कीर्तिमान है।

डॉ० परिहार ने आगे बताया कि उर्वरक और उन्नत किस्म के बीजों के साथ कृभको किसानों को नये उत्पाद जैसे कम्पोस्ट और तरल जैव उर्वरक भी उपलब्ध करा रही है, कृषि उत्पादन बढ़ने से किसानों का जीवन स्तर भी ऊँचा हो रहा है। इस अवसर पर दिल्ली से आये डीडीजी और विदेशी वैज्ञानिकों को डॉ० परिहार ने वैज्ञानिक खेती और किसानों में जागरूकता लाने वाले कृभको के मुख्य कार्यक्रमों जैसे-किसान सभायें, क्षेत्र प्रदर्शन, फसल गोष्ठियाँ ट्रेनिंग कार्यक्रम, सामूहिक परिचर्चा, समिति अंगीकरण, पेयजल सुविधा और मानव तथा पशु चिकित्सा शिविर इत्यादि के बारे में बताया।

युनाइटेड भारत, लखनऊ, 17 फरवरी 2014

सर्करा महोत्सव में कृभकों के स्टाल का उद्घाटन करते भारतीय गन्ना संस्थान के उपमहानिदेशक श्री दत्ता

कृभको की कृषि की सेवाएं सराहनीय है:दत्ता

युनाइटेड ब्यूरो

लखनऊ,१६ फरवरी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-लखनऊ १५ से १७ फरवरी २०१४ तक भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ में "राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव" में आयोजित कृषि प्रदर्शनी में कृभकों स्टॉल का उद्घाटन भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के उपमहानिदेशक डॉ. एस.के. दत्ता ने फीता काट कर किया। कृभको स्टॉल में डी.डी.जी. एवं निदेशक आई.आई.एस.आर. डॉ. सोलोमन का स्वागत कृभको के प्रबन्धक विपणन डॉ.अशोक परिहार ने बुके भेंट करके किया। इस अर्न्तराष्ट्रीय मेलों में आठ देशों से आये विभिन्न डेलीगेट एवं शर्करा वैज्ञानिकों के साथ प्रिंसिपल सांईटिस्ट आई.आई.एस.आर.डॉ.एस.एन.सिंह ने कृभको स्टॉल का निरीक्षण किया और कृभको की विभिन्न कृषि सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।डा.परिहार ने इण्डियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिर्सच इंस्टीट्यूट के डी.डी. जी.डॉ. एस.के.दत्ता को उ.प्र.में कृभको की आठ बीज इकाईयों, ३६ कृषक भारतीय सेवा केन्द्रों, कृभको जैव उर्वरक संयंत्र एवं कृभको के तीनों यूरिया संयंत्रो-हजीरा (सूरत), के.एस.एफ.एल. (शाहजहांपुर) और ओमान संयंत्र के बारे में बताया। उन्होनें कहा कि उर्वरक वितरण में कृभको पिछले एक दशक से देश और प्रदेश दोनों में ही दूसरे स्थान पर है और यह एक कीर्तिमान है। किस्म के बीजों के साथ कृभको किसानों को नये उत्पाद जैसे कम्पोस्ट और तरल जैव उर्वरक भी उपलब्ध करा रही है, जिसे कृषि उत्पादन बढ़ने से किसानों का जीवन स्तर भी ऊँचा हो रहा है। इस अवसर पर दिल्ली से आये डी.डी.जी.और विदेशी वैज्ञानिकों को डॉ.परिहार ने वैज्ञानिक खेती और किसानों में जागरूकता लाने वाले कृभको के मुख्य कार्यक्रमों जैसे-किसान सभायें, क्षेत्र प्रदर्शन, फसल गोष्ठियाँ ट्रेनिंग कार्यक्रम, सामूहिक परिचर्चा, समिति अंगीकरण, पेयजल सुविधा और मानव तथा पशु चिकित्सा शिविर इत्यादि के बारे में बताया। डॉ.परिहार ने आगे बताया कि किस प्रकार कृभको के कृषि वैज्ञानिक/अधिकारी किसानों के बीच जाकर उनके कन्धे से कन्धा मिलाकर उन्हे आधुनिक नवीनतम कृषि तकनीक की जानकारी देते हैं। डी.डी.जी. के साथ विदेशी मेहमानों एवं सभी वैज्ञानिकों ने किसानों के हित मेंनि:शुल्क वितरित किये जाने वाले सभी फसलों के तकनीकी साहित्य और किसानों के लिए कृभको के योगदान की प्रशंसा की।

hindustantimes
MONDAY, FEBRUARY 17, 2014

NATIONAL SUGAR FEST

'Sweet learning' for over 400 farmers

HT Correspondent
lkoreportersdesk@hindustantimes.com

LUCKNOW: On the second day of National Sugar Fest on Sunday organised at the Indian Institute of Sugarcane Research (IISR), more than 400 farmers visited the institute and saw the technologies displayed by different agriculture agencies and research institutes like IISR, CISH, NBFGR and KVKs.

On the occasion, a foundation day lecture was delivered by Sivajirao Deshmukh, director general, VSI, Pune on the topic 'Indian Sugar Industry: R&D priorities for 21st century'. In the international conclave, participating scientists presented research papers on various areas of sugarcane and other sugar crops.

According to Dr AK Sah, spokesperson and senior scientist, about 30 women (girls and housewives) participated in rangoli competition and all of them made beautiful patterns based on the theme of sugarcane crop. About 50 participants enjoyed the sweet taste of cane and tried their best to win the prize by chewing as many number of cane setts within the given time.

As many as 125 children participated in 'run for health competition'. It was horse and bullock cart and camel ride which everybody enjoyed most in the Fest.

In competition like extempore, quiz and kite flying, the participation was overwhelming.

National Sugar Fest is targeted to showcase the technological advancements in sugarcane and sugar sector along with the technologies developed at the institute.

The conclave provided an excellent networking opportunity for researchers, technologists, extension officers, industrialists and policy makers for meaningful deliberations through sharing of views and experiences, thereby benefiting the growers as well as sugar and integrated industries.

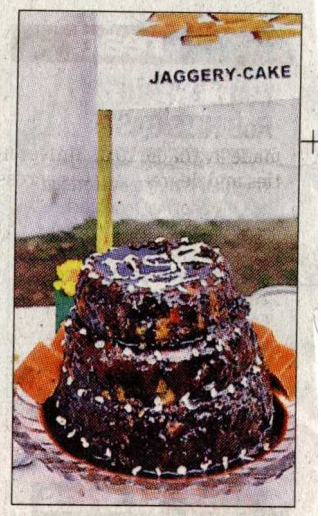

Jaggery cake on display during the sugar fest at IISR on Sunday. (Above left) Students taking part in cane chewing competition. HT PHOTOS

नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली/लखनऊ।
सोमवार, 17 फरवरी 2014

गुड़ के केक और कैंडी ने ललचाया

■ **एनबीटी, लखनऊः** रविवार को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान की स्थापना के मौके पर गुड़ केक और गुड़ कैंडी बनाई गईं। संस्थान के स्थापना दिवस के मौके पर ब्राजील से आए बैज्ञानिकों को यह केक और कैंडी खूब पसंद आईं।

संस्थान में गुड़ इकाई के प्रभारी डॉ. एस.आई. अनवर और उनके सहयोगी डॉ. दिलीप कुमार ने गुड़ से बने केक और गुड़ की बर्फी विदेशी मेहमानों को खिलाई। शर्करा महोत्सव में रंगोली और गन्ना चूसने की प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन शर्करा फसलों की थीम पर आयोजित किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने गन्ना और अन्य फसलों पर रंगोली बनाई। इसके अलावा गन्ना चूसने की प्रतियोगिता में 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा स्वास्थ्य के लिए दौड़ प्रतियोगिता भी हुई। महोत्सव में गुड़ से बने तमाम उत्पादों को प्रदर्शित किया गया जिसे लोगों खरीदा। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ ए.के.साह ने बताया कि सोमवार को इस महोत्सव का समापन होगा। इस दिन किसान विज्ञान संगम का आयोजन किया जाएगा। इसमें संस्थान के निदेशक सुशील सोलोमन किसानों के सवालों का जवाब देंगे।